संख्यावाचिशब्दाः (१-१०)

प्रस्तोता : रवि उपाध्यायः
-प्र.स्ना.शि. (संस्कृत/हिन्दी)
परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-१, तारापुर

संख्यावाचकाः

उदाहरण

एकं पुस्तकम्।

द्वे नेत्रे।

त्रीणि गृहाणि।

उदाहरण

चत्वारि यानानि।

पञ्च फलानि।

षट् मित्राणि।

उदाहरण

सप्त व्यञ्जनानि।

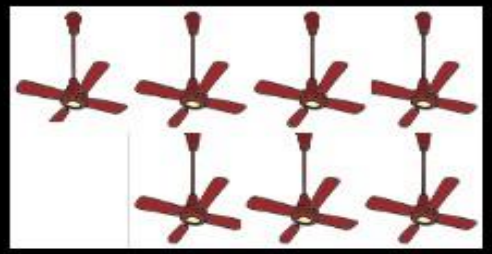

अष्ट कन्दुकानि।

नव पत्राणि।

उदाहरण

संख्या में लिंग के अनुसार परिवर्तन

एक से लेकर चार तक की संख्याओं में लिंग के अनुसार संख्यावाची शब्दों में परिवर्तन होता है | उसके बाद 5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान ही रहते हैं |

पुल्लिङ्ग

स्त्रीलिङ्ग

नपुन्सकलिङ्ग

एक से लेकर चार तक की संख्याओं में लिंग के अनुसार संख्यावाची शब्दों में परिवर्तन होता है | उसके बाद 5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान ही रहते हैं |

समानरूप

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
पञ्च	पञ्च	पञ्च
षट्	षट्	षट्
सप्त	सप्त	सप्त
अष्ट	अष्ट	अष्ट
नव	नव	नव
दश	दश	दश

इत्यादीनां त्रिषु लिङ्गेषु समानानि रूपाणि भवन्ति।

पुंलिङ्गे – पञ्च बालकाः।

स्त्रीलिङ्गे – पञ्च बालिकाः।

नपुंसकलिङ्गे – पञ्च यानानि।

5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान रहते हैं।